देखते ही स्तब्ध रह गयी

- अतीत की जंग -

सभी के जीवन में ऐसा एक अतित होता ही होगा जिससे वह कभी वापस अपने सामने न देखना चाहेंगे। हर मनुष्य अपने दिल के एक कोने में एक अतित या अपने बिते हुए कल की कुछ यादे भूलन चाहकर भी नही भूला सकता है। हर एक व्यक्ति का सबसे बड़ा डर भी यही होता है।

यह कहानी एक ऐसी ही लडकी की है। कानपुर के एक बड़े से शहर में सिता नाम की एक लड़की रहती थी। पढने में और खेल कूद में वह हमेशा पहली थी। माँ - बाप की एक लौती संतन होने के कारण बचपन से ही उसे बहुत ही प्यार मिलता गया। अब सिता लगभग दस साल की हो गयी थी।

सिता को अब अकेले रहने की आदत-सी हो गई थी क्योंकि कोई भाई या बहन न होने के कारण उसके पास हार आकर खेलने वाला

कोई नही था। इसलिए वह बहुत-सा समय बाहर अपने दोस्तो के साथ ही रहती थी। पर जैसे-जैसे सिता बडी हो रही थी उसके माँ-बाप की चींता बढ़ती ही जा रही थी। उसकी सुरक्षा के लिए वह हमेशा व्याकुल रहा करते थे।

अब सिता सतरा साल की हो गई। और इन्ही सात सालो में उसने कही सारे दोस्त बना लिए थे। कानपुर के धनवान की एकलौती बेटी होने के कारण उसने एक बहुत ही सुखी जिन्दगी बिताई थी। पर अमीर होने के साथ साथ उसके पिता से घृणा और जलने वाले लोग बहुत थे। इसलिए सिता के दोस्तो के प्रति सिता के माँ-बाप हमेशा व्याकुल रहा करते थे। ऐसे तो सिता के कई सारे दोस्त थे पर उन सब मे से सबसे खास था 'राहुल'।

सिता अकसर उसके साथ अकेले घुमने जाया करती थी। धीरे-धीरे उन दोनो मे दोस्ती बढती चली गई। सिता के माँ-बाप को इस बात की

भानक तक नही थी। अब तो वे दोनो हर दिन मिलने लगे। अब सिता के मन में राहुल के लिए दोस्ती के रिशते से कुछ ज्याद की अीद दिल में जागने लगी। एक दिन राहुल ने उसे रात नौ बजे मिलने को बुलाया कुछ पैसो के साथ। वह घर में बिना बताए राहुल से मिलने गई। राहुल ने उससे अपने दिल की बात कही और उसे उसके साथ आने को कहा। 17-साल की सिता उसके बातो मे आ गई और उसके साथ जाने को तैयार हो गयी।

..... उसी रात को वे दोनो देश छोड़ो की तैयारी करने लगे क्योकि अगर सिता के पिता को पता चलता की वह राहुल के साथ भाग गई है तो वे राहुल को मार डालते। अपने कुछ महीनो के प्यार के लिए उसने अपने माँ-बाँप को छोडने का फैसला कर लिया। और अगले ही दिन वह देश छोडकर चले गए।

..... और जब सिता के माँ-बाप को इस बारे में पता चला तब से वे दोनो बहुत परेशान हो

गए। पर सिता को पता चला की राहुल उसे गेर कानूनी तरह से दूसरे देश लेकर आया है। और उसने सिता से प्यार का नाटक किया था ताकि राहुल उसके पिता से पैसे ले सके। राहुल हर दिन सिता पर मानसिक या शारीरिक रूप से परेशान करता था। सिता दिन-ब-दिन कमजोर होती जा रही थी। उसे समय का खान भी नसीब नही हो रहा था।

घर उसके पिता ने जल्द से जल्द माँगी हुई रकम राहुल को दे दी और लगभग तीन महीने बाद वह अपने देश अपने घर वापस लौट गई। जैसे ही वह अपने माँ-बाप से मिली तो अपने आप को रोक न सकी और उनके कदमो मे गिर कर रोने लगी। उसके माँ-बाप अपनी बेटी की ऐसी हालत देखकर बहुत दुखी हुए।

सिता के मन में जो राहुल के लिए प्यार था उससे दुगना बदले की आग ने उसके दिल दिल में जगह ले ली। अपनी बेटी की बदनामी न हो इसलिए सिता के माँ-बाप ने पोलिस

था टी.वी पर यह खबर नही थी।

कई साल बीत गए। अब सिता छबीस साल की हो गई थी। उसकी का बचपन से ही एक इच्छा थी की वो एक 'अन्डर ग्राऊन्ड एजेन्ट' बने। और वह वो बन भी गई। आज भी वो खौफनाक घटना उसके मन में ही है। पर वो कभी भी किसा को भी नही बताती उस घटना के बारे में। उस दिन के बाद वो कभी फिर शहुल से नही मिली।

जब से सिता एजेन्ट बनी तब से वह बहुत ही ज्यादा काम मे व्यस्त रहने लगी और देश के आतन्क वादियो के खिलाफ मिशन मे जाने लगी। एसे ही वह अलग अलग देश और शहरो मे जाने और कही न कही उस घटना के बारे में भी भूल सी गई।

एक दिन एक मिशन के दोरान उसे एक घायल लडकी जो शायद अभी बीस की भी न होगी उसे एक सुन-सान जंगल मे मिली। सिता उस लडकी को जल्द से जल्द ऑस्पताल

ले गई। जब वो लड़की होश में आई तो पता चला की उसे पैसो के लिए भाग के लाया गया था। और जब पैसा न मिले तो उस बेरहमी से मार कर जंगल में मरने को छोड दिया था। जब उसने यह सब सूना तो उसे वह घटना याद आने लगी जो कई सालो से उसने मन में दबी हुई थी। और आगे की जाँच पड़ताल पता चला की वह अपराधी राहुल ही है। जिसने कई साल पहले सिता की मासूमियत का फायदा उठाया था।

बहुत सी खोज के बाद राहुल को पकड़ ही लिया। "जब राहुल को सिता के सामने लाया गया तब मानो राहुल को देखते ही वह स्तब्ध रह गई"। उसका अतीत उसके सामने आकर खड़ा हो गया। बिता हुआ उसका खोफनाक कल मानो उसके सामने फिर से जीवंत हो गया हो।

सिता की जो आँखे राहुल के लिए प्यार को सहेज कर रख रखती थी वही आँखे आज

गुस्से की आग से जल रही है।

शहुल को फासी की सज़ा दि गई और जेल मे डाल दिया गया। सिता फिर कई दिनो तक सो नही पायी।

जिस अतीत को वो कभी नही देखना चाहती थी, वह अतीत जिंदगी के चक्रव्यु में उसके सामने फिर आ गया था।

सिख — हर मनुष्य के जीवन में एक छुपा हुआ एक अतीत होता ही है जिससे वह हमेशा भागना चाहता है। पर जीवन एक चक्रव्यूह है जो घुमकर हमे वही लाकर खड़ा कर देता है। इसलिए अपने कल से भागना नही बल्की उसका सामना करना चाहिए।